एक नजर में

सब जूनियर राज्य कुराश स्पर्धा में इंदौर ओवरआल चैंपियन

इंदौर. दतिया में आयोजित 11वीं सब जूनियर राज्य कुराश स्पर्धा में इंदौर ओवरऑल चैंपियन बना. इंदौर ने सब जूनियर वर्ग में 15 स्वर्ण, 15 रजत और 31 कांस्य पदक जीत कर चैंपियनशिप अपने नाम की. कुराश संघ के सचिव महेश पुरोहित ने बताया कि दतिया में कुराश स्टेट सब जूनियर प्रतियोगिता खेली गई जिसमें इंदौर से विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप जीत कर शहर का नाम रोशन किया. इसमें क्रीस कॉलेज की हिमांशी वर्मा ने भी कांस्य पदक जीता इसके साथ ही अन्य खिलाड़ियों ने भी पदक जीते. पदक जीतने वाले में वशिष्ठ पुरोहित, यवल नागोरी, प्रार्थना पाटीदार, कुलदीप सिंह,अथर्व वानखड़े,अंशुल सोलपंखी, आकाश चौहान, संकल्प शर्मा, सुमित सिंह तोमर, नमन चौहान, सम्राट सोनी, विहान चौहान, विहान तलाटी, युगवीर गोसर, हिमांशी यादव, हिमांशी वर्मा उमिका यादव है. स्पर्धा के टूर्नामेंट डायरेक्टर महेश पुरोहित एवं कोच तथा मैनेजर आकाश तिवारी दीपक जाट थे. विजेता टीम के शहर आगमन पर इनका स्वागत एमआईसी मेंबर नंदकिशोर पहाड़िया ने किया. इस सफलता पर राहुल व्यास कैलाश बाथम घनश्याम करौले गोपाल पालीवाल ललित पानेरी आशुतोष दाधीच,संजय धन्नालाल गोयल एवं कपिल तिवारी ने बधाई दी.

विश्वनाथ धाम पर बाणेश्वरी कावड़ यात्रा का स्वागत

इंदौर. सांवेर रोड स्थित श्री भारतीय संस्कृति शिक्षा संस्थान, विश्वनाथ धाम पर बाणेश्वरी कावड़ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया. इस अवसर पर विधायक श्री गोलू शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे. उन्होंने अपने गुरु यतीजी महाराज की प्रतिमा का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया. भक्ति एवं उमंग से परिपूर्ण इस आयोजन में ट्रस्ट सदस्यों सुभाष गोयल, मुकेश कावोलिया, सुरेश मित्तल, पंकज मित्तल, आयुष कचोलिया, रानू नेत्रम, कालू, नीतेश अग्रवाल, पवन जायसवाल, रोहन कचोलिया आदि की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही. आयोजन स्थल पर भजनों और जयकारों की गूंज के साथ श्रद्धालुओं ने कावड़ यात्रियों का स्वागत किया. संकल्प, सेवा और साधना का अद्भुत संगम इस कार्यक्रम में देखने को मिला.

कलाव्योम फाउंडेशन प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की भेंट

इंदौर. कलाव्योम फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीमाल ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल से राजभवन, भोपाल में शिष्टाचार भेंट की. इस अवसर पर श्रीमाल ने राज्यपाल को फाउंडेशन की गतिविधियों, उद्देश्यों एवं समाज के विविध क्षेत्रों में किए जा रहे रचनात्मक और जनहितकारी प्रयासों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी. भेंट के दौरान उन्होंने बताया कि कलाव्योम ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में युवाओं को सृजनात्मक मंच, प्रशिक्षण और अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित कर रही है. राज्यपाल ने कलाव्योम के कार्यों की सराहना की तथा भविष्य की योजनाओं के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं. उन्होंने रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों को प्रेरणादायी बताया. इस अवसर पर कलाव्योम द्वारा प्रस्तावित आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी साझा की गई, जिनमें कला उत्सव, मास्टरक्लास, पौधारोपण अभियान तथा ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए विशेष मंच शामिल हैं. इस दौरान बलवीर राजपूत, मोहित जाट तथा नरेंद्र सिंह उपस्थित रहें.

सफाई मित्रों का किया स्वागत, सम्मान

इंदौर. इंदौर को सफाई में सुपर से ऊपर ले जाने में सर्वाधिक योगदान यहां के सफाई मित्रों को जाता है. इन्दौर नगर निगम के सफाईकर्मियों एवं इन्दौर की जनता के सहयोग से देश में स्वच्छता में 8वीं बार प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया. इस अवसर पर जेलरोड़ लाल रेडियो के गली के रहवासियों द्वारा सफाईकर्मियों का मिठाई खिलाकर व हार पहनाकर सम्मान किया और बधाई दी. इस अवसर पर श्री मेहता, दाऊलाल व्यास, गोपाल यादव पहलवान (विक्रम अवार्ड), विशाल शर्मा, मयुर व्यास, राजेश शर्मा, श्री पुरुषोत्तम, सुधीर व्यास अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए. इस अवसर पर सफाई मित्र आत्मीय स्वागत से भाव विभोर नज़र आए और उन्होंने दिल से खुशी जाहिर की.

मेटेरियोविजिलेंस कार्यशाला का आयोजन

इंदौर. चिकित्सा उपकरणों के सुरक्षित उपयोग और रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एमजीएम मेडिकल कॉलेज में शनिवार को एक दिवसीय मेटेरियोविजिलेंस कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यक्रम भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के सहयोग से कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग के एडीआर मॉनिटरिंग सेंटर द्वारा आयोजित किया. कार्यशाला का उद्घाटन कॉलेज के डीन और सीईओ डॉ. अरविंद घनघोरिया ने किया. अध्यक्षता फार्माकोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा एस मिश्रा ने की, जबकि आयोजन सचिव की भूमिका डॉ. अंजलि कुशवाह ने निभाई. कार्यशाला में प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. पूजा रेड्डी प्रोफेसर ने भारत में मेटेरियोविजिलेंस प्रणाली की रूपरेखा प्रस्तुत की. वहीं, डॉ. शिल्पा काओरे ने चिकित्सा उपकरणों की निगरानी और उनसे संबंधित प्रतिकूल प्रभावों की रिपोर्टिंग प्रक्रिया को व्यावहारिक उदाहरणों सहित समझाया. कार्यक्रम की शुरुआत एक प्री-टेस्ट से हुई और समापन पोस्ट-टेस्ट के साथ किया, अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सपना मोरे द्वारा प्रस्तुत किया. हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग आधारित इस कार्यशाला में इंदौर के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से आए पीजी रेजिडेंट्स और फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया. प्रतिभागियों को चिकित्सा उपकरणों से जुड़ी प्रतिकूल घटनाओं की पहचान, ऑफलाइन और ऑनलाइन रिपोर्टिंग की प्रक्रिया, तथा संबंधित नियामकीय दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई. कार्यशाला को प्रतिभागियों ने उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया. विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल चिकित्सा क्षेत्र में गुणवत्ता और सुरक्षा को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि चिकित्सा उपकरणों की निगरानी के प्रति जागरूकता बढ़ाकर रोगी सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

जिनशासन के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार भी प्राप्त करें

- नरसिंह वाटिका में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान की धर्मसभा में सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार का प्रेरक उदबोधन

इंदौर. सुपर-30 के संस्थापक, पद्मश्री और अनेक पुरस्कारों से सम्मानित आनंद कुमार ने शनिवार को एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका पर जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. के पावन सानिध्य में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के हजारों बच्चों और पालकों का आव्हान किया कि वे अपने जीवन में अहिंसा परमो धर्म की नीति पर चलें, अपने सोच और चिंतन को विश्व स्तरीय बनाएं, जीवन में धैर्य बनाए रखें और जिनशासन की अवधारणा के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कारों को भी आत्मसात करें.

अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार, जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान में शनिवार को आनंद कुमार मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए थे, जिन्हें हजारों बालकों और पालकों ने ध्यान से सुना। प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से अध्यक्ष पारस बोहरा, चातुर्मास संयोजक पुण्यपाल सुराना, कैलाश नाहर, ललित सी. जैन, दिलसुखराज कटारिया, मनीष सुराना, चातुर्मास प्रभारी शेखर गेलड़ा एवं प्रीतेश ओस्तवाल सहित अनेक समाजबंधुओं ने आनंदकुमार का स्वागत किया. कार्यक्रम में विशेष रूप से समाजसेवी दीपक जैन टीनू का भी सम्मान किया गया, जिनके प्रयासों से आनंद कुमार इस धर्मसभा में शामिल हुए. कार्यक्रम में शहर के सभी प्रमुख जैन श्रीसंघों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे. कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी और आनंद कुमार का परिचय कार्यक्रम संयोजक दीपक जैन टीनू ने दिया. धर्मसभा को गणिवर्य कीर्तिरत्न सागर एवं मुनि प्रवर उत्तमरत्न सागर ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षा के साथ संस्कारों का महत्व प्रतिपादित किया. आनंद सर के नाम से देश-दुनिया में जाने-माने सुबह-30 के संस्थापक ने जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. से आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि इंदौर तो पूरे देश में सफाई में नंबर वन बना हुआ है, अब हम सबको भी अपने अच्छे आचरण से अंदर की गंदगी को भी साफ करने का पुरुषार्थ करना होगा. पटना ने भी इंदौर से सीखा है कि सफाई में कैसे आगे आया जा सकता है.

ज्ञान की रोशनी से आलौकित करना बहुत बड़ा काम

जैनाचार्य विश्वरत्न सागर म.सा. ने कहा कि आज मुझे गर्व है कि महावीर के मंदिर के सामने एक ऐसा व्यक्तित्व पैदा हुआ है, जिसने देश-विदेश में भारत को प्रतिष्ठा भी दिलाई है और अनेक गरीब बच्चों को शिक्षा देकर उनका जीवन संवारा है. ज्ञान की रोशनी से आलौकित करना बहुत बड़ा काम है. महावीर किसी धर्म, किसी संप्रदाय या किसी व्यक्ति विशेष की विचारधारा या सिद्धांत के नहीं, बल्कि एक शास्वत क्रांति के प्रतीक हैं, जो जीवन जाने की धारा के प्रवाहक हैं. महावीर स्वामी केवल हमारे नहीं, सबके हैं. आभार माना दीपक जैन टीनू ने. कार्यक्रम में आनंद कुमार को जैनाचार्य द्वारा अभिमंत्रित भगवान महावीर स्वामी की रजत मंडित प्रतिमा, शंख एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर आयोजन समिति के सदस्यों ने सम्मानित किया.

स्वच्छता का अवार्ड लेकर लौटे महापौर का अखंडधाम आश्रम पर सम्मान

इंदौर. स्वच्छता सर्वेक्षण में पहला नंबर प्राप्त करने के बाद शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव शुक्रवार को विमानतल से सीधे बिजासन रोड स्थित प्राचीन अखंड धाम आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप महाराज के सानिध्य में शहर के संतों एवं महंतों से आशीर्वाद प्राप्त किए.

आश्रम प्रबंध समिति के अध्यक्ष हरि अग्रवाल, भावेश दवे ने बताया कि स्वच्छता में सिरमौर बनने के बाद राष्ट्रपित द्वारा प्राप्त पुरस्कार लेकर इंदौर लौटे महापौर का अखंड धाम पर स्वामी राजानंद के साथ अन्य संतों-महंतों ने भी शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया. महापौर को इजराईल में आयोजित कांफ्रेंस में देश का प्रतिनिधित्व करने पर भी सम्मानित किया गया. इस अवसर पर एमआईसी सदस्य निरंजनसिंह चौहान गुड्डु, पार्षद अश्विन शुक्ला, पार्षद संध्या यादव, पलकेश कछवाह, किशोर गोयल, भरत पारेख के अलावा वृंदावन, हरिद्वार, ऋषिकेश एवं चित्रकूट से आए संतों-महंतों ने भी महापौर का सम्मान कर उन्हें शुभाशीष प्रदान किए. महापौर ने इस अवार्ड का श्रेय शहर के नागरिकों और संतों के आशीर्वाद को देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि अगले वर्ष भी हम फिर अग्रणी स्थान बनाएंगे.

बच्चों को सिखाया राखी बनाना

इंदौर. महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति, रोटरी क्लब ऑफ इंदौर रायल्स एवं 'लव यू जिंदगी' के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को नवलखा स्थित विसर्जन आश्रम स्थित जीवन शाला विद्यालय पर राखी निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. दो दिवसीय इस कार्यशाला में आज भी सैकड़ों बालिकाओं के साथ बालकों ने भी राखी बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया.

प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल ने बताया कि इस मौके पर कला शिक्षक अनिता हार्डिया ने बच्चों को घरेलू सामग्री से राखी बनाने का प्रशिक्षण भी दिया और राखी निर्माण के साथ रिश्तों का महत्व भी बताया. राखी निर्माण की सामग्री तीनों संगठनों की ओर से बच्चों को निशुल्क प्रदान की गई. प्रारंभ में रोटरी क्लब ऑफ रॉयल्स की ओर से दिलीप मजूमदार एवं रेखा रेवा मजूमदार ने बच्चों को उपहार भेंट किए. अतिथियों का स्वागत सुविधा गोयल, मोना बंसल, अंजलि अग्रवाल, रिम्पल अग्रवाल एवं शीतल अग्रवाल ने किया. कार्यक्रम में रोटरी क्लब आफ इंदौर रायल्स की ओर से अध्यक्ष यति अरोरा, सचिव अमित बावेजा और पीडीजी रितु ग्रोवर भी उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों को राखी का महत्व बताया. इसके साथ ही दो दिवसीय इस प्रशिक्षण अभियान का समापन हुआ.

मानसून में 15% तक बढ़ जाते हैं ब्रेन इन्फेक्शन के केस

- इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की आईडी चैप्टर की 2 दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस आईडीकॉन
- देश भर के 250 डेलीगेट्स और 40 से ज्यादा फैकल्टी

इंदौर. बच्चों में ब्रेन इन्फेक्शन सामान्य बुखार की तरह शुरू होकर तेजी से गंभीर रूप ले लेते हैं इसलिए इसे पकड़ना और समय पर इलाज करना कठिन होता है. मानसून में मच्छर और कीड़ों के काटने से इसका खतरा बढ़ जाता है इसलिए बच्चों को मच्छरों से बचाना जरूरी है। यह नवजात शिशुओं से लेकर स्कूल जाने वाले बच्चों तक में हो सकता है. मानसून में इस ब्रेन इन्फेक्शन के केस 15 फीसदी तक बढ़ जाते हैं.

यह बात कोलकाता के इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ में प्रोफेसर जयदीप चौधरी ने शनिवार को इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा ईज़ मॉड्यूल विषय पर दो दिवसीय ज़ोनल कॉन्फ्रेंस आईडीकॉन के दौरान कही. ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. के. के. अरोरा ने बताया सेंट्रल जोन की कॉन्फ्रेंस का यह चौथा साल है. हम डॉ बी.सी छापरवाल के नाम से ऑरेशन भी करते हैं. इस कॉन्फ्रेंस में देश भर से 250 डेलीगेट्स और 40 से ज्यादा स्पीकर्स आए हैं. पहले दिन हुए पांच सेशंस में प्रीवेंशन, डायग्नोसिस, इन्वेस्टिगेशन और ट्रीटमेंट के बारे में जानकारी दी गई। वेक्सिनेशन और मेडिसिन की गाइडलाइन को लेकर जानकारी भी दी गई. इसके साथ ही पहले दिन न्यूरो इनफेक्शन पर वर्कशॉप भी हुई. ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. पी. जी. वालवेकर ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य बच्चों में इंसेफेलाइटिस (दिमागी बुखार) जैसे जटिल संक्रमणों की पहचान, इलाज और रोकथाम पर जागरूकता फैलाना था. सेक्रेटरी डॉ. सुनील आर्य और डॉ. विवेक पाठक ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत ब्लूकअध्यक्ष-निर्वाचित डॉ. नीलम मोहन, कोषाध्यक्ष डॉ. अतनु भद्र सहसचिव डॉ रुचिरा गुप्ता की उपस्थिति में हुई। डॉ. भास्कर शेनॉय , चेयरपर्सन इलेक्ट डॉ. संजय गोरपोडे और सचिव डॉ. चेतन त्रिवेदी भी उपस्थित थे.

90 फीसदी बच्चे इंफेक्शन के शिकार

डॉ. अरोरा ने बताया बच्चों की बीमारी के मामले में 90 फीसदी कैसे इन्फेक्शन से जुड़े होते हैं. डिफरेंशियल डायग्नोसिस जरूरी है, ताकि पता लग पाएं कि बच्चे को वायरस, फंगस या बैक्टीरिया किस चीज का इन्फेक्शन है. इससे एंटी बायोटिक्स का मिस यूस रोका जा सकता है. इसके लिए डब्ल्यूएचओ फर्स्ट लाइन ऐप बनाया है, जिसकी मदद से डॉक्टर सही दवाइयों और उनकी उचित मात्रा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं .ताकि ड्रग एब्यूज से बचा जा सकें.

दो सौ बच्चों ने देखी लाइव ओपन हार्ट सर्जरी

- चोइथराम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के स्थापना दिवस पर आयोजित पांच दिनी कार्यक्रम का समापन

इंदौर. चोइथराम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर से 46वें स्थापना दिवस पर आयोजित पांच दिनी कार्यक्रम के तहत 7 स्कूलों के 200 बच्चों ने ओपन हार्ट सर्जरी देखी. यह सर्जरी हार्ट सर्जन डॉ. सुधांशु अग्निहोत्री ,डॉ. शगीर अहमद, डॉ. छाबड़ा द्वारा की गई आई सी यू इंचार्ज डॉ. रवि राम सिंघानी थे. एनेस्थेटिस्ट डॉ. नितिन शर्मा थे. बच्चों ने 3 घंटे चली लाइव सर्जरी के दौरान कई रोचक सवाल पूछे, जिनके जवाब डॉक्टर्स ने डायरेक्ट ओटी से दिए.

इंदौरी दिलों के लिए मात्रा में खानपान और नियमित व्यायाम जरूरी

प्रथम पुरस्कार पाने वाले स्टूडेंट न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल की स्टूडेंट डेजी मंगल ने प्रश्न पूछा हमारे शहर में जहाँ पोहा-जलेबी लगभग एक भावनात्मक सहारा हैं, वहाँ इंदौर में दिल की बीमारियों के प्रमुख कारण क्या हैं, और हम अपने 'इंदोरी दिल' को धड़कता रखने के लिए क्या सचेत कदम उठा सकते हैं? जवाब में डॉक्टर ने कहा सही मात्रा में खानपान और नियमित व्यायाम इंदौरी दिलों को स्वस्थ रखेगा साथ ही समय-समय पे दिल के जांच जरूरी है। दूसरा प्रशन कीरत भाई कालाचंद स्कूल की 12वीं क्लास के दर्शित शर्मा ने पूछा एक मरीज को सर्जरी से ठीक होने में कितना समय लगता है? जवाब में डॉक्टर ने बताया यह सर्जरी सामान्य नहीं होती इसमें सर्जरी के बाद अच्छा आराम और खान-पान के परहेज की जरूरत होती है लेकिन कुछ ही दिनों में मेरी जे सामान्य दिनचर्या में आ जाता है। तीसरा प्रशन चमेली देवी पब्लिक स्कूल की 12वीं क्लास की स्टूडेंट इशिका पांचाल ने पूछा आजकल डॉक्टर पारंपरिक बायपास सर्जरी की बजाय एंजियोप्लास्टी और रोबोटिक सर्जरी को क्यों पसंद करते हैं? इनमें से कौन सी ज्यादा सुरक्षित है और क्यों? डॉक्टर ने बताया एंजियोप्लास्टी और रोबोटिक सर्जरी कम इनवेसिव (छोटी चीर-फाड़) होती हैं, रिकवरी जल्दी होती है, और जोखिम कम होता है।

खराब जीवन शैली के कारण बढ़ने लगी बीमारियां

बच्चों को डॉ सुधांशू ने बताया कि किडनी की बीमारियां कुछ लोगों में जन्मजात होती हैं वही अन्य लोगों में यह बीमारी अनियंत्रित ब्लड प्रेशर, डायबिटीज के कारण सामान्य देखी गई है. इन दिनों की खराब जीवन शैली हार्ट की बीमारियों के बढ़ने का एक बड़ा कारण बनती जा रही है जिसमें जंक फूड का सेवन और व्यायाम की कमी सबसे बड़ा कारण है. डायरेक्टर मेडिकल सर्विसेज डॉ सुनील चांदीवाल ने बताया हर साल हम सैकड़ों बच्चों को लाइव सर्जरी दिखा के उनका रुझान चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ाने का प्रयास करते है साथ ही उनके मन में किसी तरह का संकोच या संदेह होता है तो वे डॉक्टर से सीधा बात कर सकते हैं.

कलश आरोग्य और सौभाग्य का प्रतीक

इंदौर. उपप्रवर्तक श्रुत मुनि महाराज ने आज की धर्म सभा में कुम्भ कलश को अपने शरीर से जोड़ते हुऐ बताया कि शुभ मंगल कार्य में कलश का बड़ा महत्व है. जैसे कलश का मुँह छोटा ओर पेट बड़ा इसी प्रकार हमारा मुँह भी छोटा है और पेट बड़ा है. कलश में कीमती वस्तुएं डालते हैं. जब हमें फल मिलता है और शुभ मंगल होता है. फिर हम देखे दूसरे रूप में हमारे पेट में जो डालते है उसका विवेक और ध्यान हम नही रखते तब हमें परेशानियों का सामना करते है इसलिये बीमार पड़ते है इसीलिये कलश को आरोग्य और सौभाग्य का प्रतीक कहा गया है. अपने घर मे और जीवन मे कुंभ कलश कि स्थापना करों विद्यादेवी, लक्ष्मी देवी, सरस्वती देवी को कलश बहुत प्रिय है. घर में स्थापितकलश नकारात्मक दोषों को दूर कर सकारात्मक उर्जा को फैलाता है. कलश आने वाली परेशानियों, दुख और विघ्न को हर लेता है. कुंभ कलश की स्थापना करने वाले श्रावक धीर, वीर गम्भीर कहलाते है और जीवन में हर समस्या का समाधान करने में सक्षम होते है. प्रति शुक्रवार को पार्श्व पद्मावती के 27 सप्ताह चलने वाले एकाशन तप प्रारंभ हुए और गणधर तप की आराधना भी प्रारंभ हो गई है. रविवार को प्रवचन का विषय कैसा हो परिवार हमारा इस विषय पर प्रवचन होगें. धर्मसभा का संचालन प्रकाश भटेवरा ने किया.

शहरी सहकारी बैंक का राष्ट्रीय सम्मेलन 25 जुलाई को पुणे में

नवभारत न्यूज

इंदौर. नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज के तत्वावधान में पुणे में 25 जुलाई को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन होगा.

मध्यप्रदेश राज्य शहरी सहकारी बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज अध्यक्ष ऋषिराजसिंह सिसोदिया तथा सहकार भारती प्रदेश अध्यक्ष शेखर किबे ने बताया कि सम्मेलन में बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 (संशोधित) के प्रावधानों और शहरी सहकारी बैंकों के लिए केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा गठित क्षत्रप (अंब्रेला) संगठन संबंधी विमर्श के अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही देश भर से आने वाले सहभागी अनुभव साझा करेंगे. श्री सिसोदिया और श्री किबे ने बताया कि सम्मेलन में शहरी सहकारी बैंकों में डिजिटल और साइबर सुरक्षा प्रक्रिया आत्मसात करने, वित्तीय समावेशन, वित्तीय और तकनीकी सहभागिता, नियामकीय समर्थन और सरकारी पहलें (इनिशिएटिव्स) , भविष्य के दृष्टिकोण तथा तकनीकी रूप से सुसज्जित शहरी सहकारी बैंक्स पर प्रस्तुतीकरण होगा.

राष्ट्रीय सम्मेलन में धोखाधड़ी के आंतरिक मामलों, शहरी सहकारी बैंकों में नियामक द्वारा तय साइबर अंकेक्षण, सुरक्षा अनुपालन, सहयोग, समंक (डेटा) सुरक्षा प्रक्रिया, जागरूकता तथा कार्मिक प्रशिक्षण, घटनाओं पर प्रतिसाद और कार्रवाई आयोजना पर समूह चर्चा भी होगी.

कार्यक्रम सांसद शंकर लालवानी ने विस्तृत, आंकड़ों से प्रेज़ेंटेशन से साझा किया शहर के विकास का विज़न

इंदौर 2030 की रूपरेखा पर हुआ सार्थक संवाद

इंदौर. अभ्यास मंडल,द्वारा इंदौर 2030 देश शहर विकास के नवचिंतन विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में शहर के भविष्य को लेकर गंभीर और रचनात्मक चर्चा देखने को मिली. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंदौर के सांसद मा. शंकर लालवानी रहे, जिन्होंने प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से इंदौर के भावी विकास की बहुआयामी योजनाओं को साझा किया. अभ्यास मंडल के इस संवाद कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया. शिक्षा, उद्योग, प्रशासन, पर्यावरण, युवा मंच, चिकित्सा और नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस संवाद को विचारपूर्ण और उपयोगी बनाया.

शहर विकास की योजनाएं रखीं प्रेज़ेंटेशन में सांसद श्री लालवानी ने कहा कि इंदौर अब सिर्फ स्वच्छता में अग्रणी नहीं, बल्कि डेटा आधारित नियोजन, स्मार्ट ट्रांसपोर्ट, पर्यावरणीय संरक्षण, आर्थिक प्रगति और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भी मिसाल बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. उन्होंने बताया कि 2030 तक इंदौर की स्थानीय जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि का लक्ष्य है,जिसके लिए स्टार्टअप, डिजिटल सेवाएं, हरित निर्माण और स्मार्ट इंडस्ट्रीज को सहयोग दिया जाएगा. कार्यक्रम में आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण को प्राथमिक विषय बनाया गया. इसके साथ ही संस्थागत संशोधन और नवाचार के माध्यम से स्थायित्व आधारित विकास मॉडल की चर्चा हुई. श्री लालवानी ने बताया कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए इलेक्ट्रिक बसें, मेट्रो विस्तार, साइकिल फ्रेंडली मार्ग और इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिस्टम पर कार्य प्रगति पर है। वहीं पर्यावरण संरक्षण के लिए जल स्रोतों के पुनर्जीवन, कचरा प्रबंधन और वृक्षारोपण जैसे अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं.

प्रतिनिधियों ने भी दिए सुझाव

इस अवसर पर उपस्थित नागरिक प्रतिनिधियों ने भी अपने अनुभव, सुझाव और सवाल साझा किए. शहर के शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं और प्रशासकीय विशेषज्ञों ने संवाद को गंभीरता से लिया और अनेक व्यवहारिक सुझाव प्रस्तुत किए. यह संवाद केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शहर के भविष्य को लेकर जनभागीदारी आधारित नियोजन की शुरुआत था। प्रीतेश पटेल, तपन मुखर्जी, प्रीतेश पटेल रेखा आचार्य, ओपी श्रीवास्तव, दिलीप वाघेला,प्रो कुम्भज, मुकेश तिवारी, शीतल अग्रवाल,प्रणिता दीक्षित ,शाम पांडे, ने सुझाव दिए ,बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित थे.

विषय प्रवर्तन करते हुए सकल घरेलू उत्पाद पर डॉ जयंतीलाल भंडारी, अशोक बड़जात्या,अनिल भंडारी ने जानकारी देते हुए कहा कि ग्रोथ अच्छी होगी जो शहर, प्रदेश,देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी. संचालन रामेश्वर गुप्ता आभार अशोक कोठारी ने माना.